

वायस्वादिनाय (क्षमपदात्रयं जा ॥ १ ॥ नैव ह्येवं यममिति मया ॥ १ ॥
निजानां नाना कथयता ॥ यमम ॥ १ ॥ ह्येवं यममिति मया ॥ १ ॥
यावत्तु नाना सति नाना च ॥ यमम ॥ १ ॥ ह्येवं यममिति मया ॥ १ ॥
यमम ॥ १ ॥ ह्येवं यममिति मया ॥ १ ॥ यमम ॥ १ ॥
वातायैव कथयता ॥ यमम ॥ १ ॥ ह्येवं यममिति मया ॥ १ ॥
यावत्तु नाना आकथयता ॥ यमम ॥ १ ॥ ह्येवं यममिति मया ॥ १ ॥
यावत्तु नाना आकथयता ॥ यमम ॥ १ ॥ ह्येवं यममिति मया ॥ १ ॥

द्वयतासगधयविवागानाश्रावमयत। ६७ धीमने कवलिनकहृद् ॥
यैश्चमयहायूजा॥ ध्रुवा॥ नायुद्धयमेमथधिसगधयतिवाला नाश्रा
कवयम॥ ६८ यममथानेयखाहा। ६९ ०० लायका। ७० वायुवाखाहा॥ यैश्च
यहाययूजा॥ ध्रुवा॥ ७१ धीमने कवलिनकहृद् नायुद्धयमेमथधिसगधयतिवा
सिनी २७ वेङ्ग मूढन वङ्गकील ५ त्राका दयक काय॥ ध्रुवा दय २ घा
दयत्यादि ४॥ ७२ वा ७३ उलका साहवगासगधयतिवागानाश्रावमयत
यता ७४ उलका साखाहा ७५ विष्णुकायखाहा ७६ मङ्गनायखाहा

यैश्चमयहाययूजा॥ ध्रुवा॥ ०० मान। ७७ यमदहीद्वीसगधयतिवागाना
नाश्रावमयत॥ ७८ यमदहीद्वीसगधयतिवागानाश्रावमयत॥ ७९ ०० नायखा
हा॥ यैश्चमयहाययूजा॥ ध्रुवा॥ ८० दहदिहदाहृद् कायायुधमासिदश
कोशानुव २ त्रासायातेयुवयदानयति ५ मात्रविद्यधनिवत्रवत्र
वेगा ध्रुवा॥ ८१ मूढसुन वा ७२ दवतासगधयतिवागानाश्रावमयत
८३ मूढसुन वा ७४ यखाहा॥ यैश्चमयहाययूजा॥ ८५ कथ॥ ८६ ॥
यसखायायैयवृत्तिताविकृतादीयक कावनाद कुशन्विधाय

ध्यानादिनिघनघमा ध्यायमानं नन्दमुक्तिः ॥ सञ्जालकालकावागहाव
 दवत्तदादानदःखचनदः ॥ दिवककोतडीयुक्तकलकमलकोयना
 कनमामिदया ॥ धनसमस्तथापयधनहातयूजाकृत्तयाय
 यकगुप्तमधुलयादृष्ट ॥ गीतमधुमेयुगसिधकत्रादिसमयूलैख
 वलिद्वय ॥ निरसमाधिमाय ॥ गीत ॥ श्रवणवद ॥ यागेववादि ॥ उका
 लासदमधुल ॥ वागयटमंजलि ॥ अनिल ॥ धनकुरुतास ॥ देवयूजा लाव
 नाधूयनित्ता ॥ अक्षविधिर्धूजा मोहानिरुय ॥ पृथग्नासयेधर्मा
 ८ लदियेनूपायरायोयाध

थनसलसंघुजायाय खाडलदिचके ॥ थनवलिमा ॥ दघवयंचर
य ॥ वायुकेधथय ॥ मधु कालध ययका ॥ न ॥ त्रुन स्वयल कग ॥ न
मृत्यु इइ मृति ॥ वायुबाही कच ॥ ॐ न न सा क न द्या ल ॥ थनवलिमा
यठधचके धनीदहा देहावयधेधनाहाय ॥ उत्रावमने यनिच स्वा
हा ॥ तनीय कालन त्यादि x ॥ ली त्रालि कालियलिन त व लु सूर्य कलाव
यातगतहं काले इम्हा उत्र नान्मानुगना सर्वधमा यलण त्यादि x ॥
ऊय ॥ न सनया ॥ उंकन २ कल २ व ल २ गणय २ को रुय २ त्यादि x ॥ न

पात्ताः सर्वसत्ताश्च गतद्युत्था ॥ वज्रयुधं मायावज्रं वज्राननं वज्रकायं व
 नाकं सा नागवज्रं वज्रानि न वज्रं लं तं वज्रकायं वज्रकुण्डली वज्रः
 पुरु मोन वज्रं वेमं विजु पृथिवि विहवना संपाति वा नान् ॐ देव व्यधू यदि
 यग न्ने वा द्यादि संयुक्तं वल्य पदानं वनि स्थापयं येन शं ममदि
 नक्षत्रं वृक्षं धनं धनं यो वना गानं सत्सु खाय हानं कान सर्व इष्ट
 य इष्टानां नृणां धनं नृणां नाशं ऊर्ध्वं यश्च ऊर्ध्वं यश्च वक्ष्ये श विध्वंस
 यश्च ॐ विद्वान् कन या वनं मम सर्वसत्ता नाशं हि नक्षत्रं वृक्षं धनं

[illegible]

देवया॥ उं नमो श्री वरु महा नाथ दत्ता स व मन व्या णा सन क नाय
सकल मात बल विना सन क नाय च त सि कु सम व य थ नृ क्षी र
४ कृ प मे व नाय ॐ दे व लि गृ ह्ण श म मे सर्वे वि ध्या न रु न श व रु मा ल नि
वा व य श ण श शो म श छि नु श ता श श ता य श शू द श रु द श स द
इष्ट सखा नमम विलू चिक रु स्मी कृ दा न य गं हूं हूं रु द्र स्वा हा ॥ ति
नि दे व या ध्यो ॥ १ ॥ वा घ व द व रु या ॥ ॐ आ दि व डि स रु द व सं ध

ख्यादि॥ वाद्यवदवज्ञयाथ॥ ८ ॥ विभुवेताय॥ उंवेजमहादष्टक
 तलेलताय त्रिसिमुसत्रयादि॥ विभुवेताया॥ ९ ॥ क्षीतवाहान
 याथ॥ उंकुल्लकुलस्वगंधसहिनाया सर्वदृष्टानतासय२ दादय२
 ऊरुय२ त्रिसिमंतमेकव॥ ज्ञानिमकव॥ सर्वसत्त्वावमेकल॥ सर्वसि
 द्विमकव॥ स्त्राहा॥ शानतावया॥ १० ॥ शान्तकालत्रर्थनाजलाभा॥
 उंशीकिंदूदूमप्रमान्नयव्यधयवकतावयाताव॥ अष्टनागंदव
 नागयक्रनाकसगृह२ उंदेवलि॥ ललाहा॥ स्वत्ववादि२ हंउ॥ ११

महावंसदा गऊं रं कृष्णवधूय दीहं हृदस्त्रादा ॥ वधैवाहसा
 ॥ या ॥ ॥ नाम्नकाव जिमिदात्रा ॥ इहावतीमहायकधी प्रियकवी
 महायक सीतायति ये कृष्णसमय विद्यावाना नाशसुधनुधवा स
 कोर्तका उविता ॥ यति को यतुज उं मायु प्रधय दीयर्मन्त्र नेयुध
 प्रयधुजयतायना का जिधमदि सर्वय विपुर्लू गृह्ण रस्त्र रस्त्रादि
 गोमय रहा वगिसहा यकधी सयका मार्थसाधनी कहि दायन
 मवगि ददायय उं माहं हृदस्त्रादा ॥ गधिष्ठु गा म्नाकाव जिमिदात्रा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

सुगि इ इ
दा सु किं ४

राशि म

श्री

五

34

五

來回

कनकनामक

五

मयी यथागतं न
स्वातन्त्र्यं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ३

ॐ नमो केशवाय

[illegible]

वज्रकं काथा ॥ विश्वकुसुम ॥ न व काल नायाली रुचने व ॥ द्वय लंकां
कुडु चल्या न काला नल वग काल न मनी विश्वयः कवनयं निव निखिन जग
तु विद्या द्यानि ॥ नीन योग रुनिग मलस व्यन न व क उ था ॥ उष्ट्र के ठ ल ॥
जि काः यगिमुखं स तु रंग कूटिल न क व तु लं गिन उ ॥ ख भू डाल लान सु यं व क
यान मा ला वन विंगल मणि नः ॥ छलिवि युष नः ॥ सु मू भु मषला वा द्य मा वल व
ला नी लान न यन यिगो द्वे कल न क यिन कू न ल सु के कादि ना ग ना डा कुग मष्ट
ना व ज द्य ॥ अन्धित क ना र्या ॥ व ज मष्टि द्वय यु कल न क नि षु द्वय ॥ ४८ खलित ॥
यसु न न ऊ नि द्वयं मिणी गे ला कवि डय मू ड या स्वा रु य ह्य स माय न सर्व क

लास्यां कृष्णं वा मस्यां कया लवलाकं दध्ना नागार्जुनं कालमुखं नदिगुम्भं
 स्वहृत्कं कानायुसुगलमिश्रिदध्नादिगविद्यानाकृष्णं कानसुनिगदश
 काधसुसंनय्यथ ॥ धर्यनीनाअन वजनकायसनानगं वलं खनन
 यं वामनं वगन्धयं वगन्धयुक्तानि यनादायं सनानगसर्वययुगलिका वर
 द्विगयं वलंगाकसुगं वद्विननक वद्विनन वनियन सिइलन मुकमकं क
 नकययसुगमद्वययुजायाय वजनरिसीजायमनुनाडं आहं नयं वायलानयु
 जा ॥ नास्या वधवादनरापुलिगय्यनरायु वलमुखवनिवियनाखानगाभनकिनन

गायमनुनायुर्व ॥ ३ ॥ आहं जमानसर्वद्वयययन्यायनिवालानां किनयं कुरु
 दनाशदिकिनस ॥ ३ ॥ आहं कलिक्वाधस ॥ ३ ॥ जमानसुयनिवानाकीलयं कुरु
 दनाशनायद्विम ॥ ३ ॥ आहं गेनाकेयसाधक मरुक्वाधसर्वध्वं ॥ ३ ॥ नागमसुयनि
 वानान् किनयं कुरु ॥ ३ ॥ नाडन ॥ ३ ॥ आहं कीनविक मरुक्वाधसर्वद्वय कुरु
 नासुयनिवालान् किलयं कुरु ॥ ३ ॥ ॐ ॥ आः कुरु वेज विजय मरुक्वाधसर्वद्वय
 ॥ ३ ॥ अनयनिवाना किनयं कुरु ॥ ३ ॥ नाडनयु ॥ ३ ॥ आहं मधनादमरुक्वाधसर्व
 द्वयगिसुयनिवानाकीनयं कुरु ॥ ३ ॥ नागने ॥ ३ ॥ आहं मरुक्वाधसर्वद्वय

